जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

15 फरवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में शिक्षा का जामिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जेआईसीई-2024) आयोजित

शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग (IASE), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) ने 14 और 15 फरवरी, 2024 को शिक्षा पर दो दिवसीय जामिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (JICE-2024) का आयोजन किया। सम्मेलन का विषय था ' ट्रांस्फोर्मिंग इंडियन एजुकेशन पोस्ट एनईपी-2020: कनेक्टिंग टू द पास्ट- टार्गेटिंग एट द फ्यूचर'।

जामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन ने 14 फरवरी 2024 को जामिया के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के सभागार में आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। एनआरसी, एनसीटीई के अध्यक्ष और दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एचसीएस राठौड़ उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्य वक्तव्य प्रोफेसर ज्योत्सना पटनायक, कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉन्ग बीच, यूएसए और प्रोफेसर मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी, पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई द्वारा दिया गया। मंच पर अन्य गणमान्य व्यक्ति डीन, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया; अध्यक्ष, आईएएसई, प्रोफेसर जेसी अब्राहम और सम्मेलन संयोजक प्रोफेसर जसीम अहमद उपस्थित थे। सम्मेलन की सह-अध्यक्ष प्रो. नाहिद ज़हूर और आयोजन सचिव प्रो. रूही फातिमा, डॉ. इरम खान और डॉ. अंसार अहमद ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की शुरुआत आईएएसई बी.एड. के छात्र श्री इब्राहीम खान द्वारा पवित्र कुरान की तिलावत के साथ हुई। श्री जीशम ज़मीर की टीम ने जामिया तराना गाया।

JICE-2024 के सार-संग्रह का विमोचन किया गया, जिसके बाद JICE-2022 के परिणाम के रूप में तीन संपादित पुस्तकों -एक शिक्षा में आईसीटी पर, दूसरी परिणाम आधारित शिक्षा पर और तीसरी समावेशी शिक्षा पर- का विमोचन किया गया। ।

कार्यक्रम में प्रोफेसर मोहम्मद मियां, प्रोफेसर इलियास हुसैन, प्रोफेसर तलत अजीज, प्रोफेसर मिनी एस थॉमस, अल्बा विश्वविद्यालय, फिलीपींस के प्रोफेसर जॉय मार्टिनेज डेला क्रूज़ और संकायों के कई अन्य डीन और जेएमआई के विभागों के अध्यक्ष जैसे कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ऑफलाइन मोड में लगभग 400 और ऑनलाइन मोड में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ऑफ़लाइन प्रतिभागियों में, लगभग 150 पेपर प्रस्तुतकर्ता थे और लगभग 250 संकाय सदस्य, पीएचडी के छात्र तथा शिक्षा के क्षेत्र में पीजी और यूजी कार्यक्रम के छात्र थे। समारोह में आईएएसई और डीईएस के अधिकांश संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

प्रोफेसर इकबाल हुसैन ने अपने संबोधन में डिजिटलीकरण के वर्तमान युग में खुद को अनुकूलित करने के लिए आईसीटी कौशल की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। प्रो. एच.सी.एस. राठौड़ ने सामान्य रूप से शिक्षा और विशेष रूप से शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर गहराई से बात की। उन्होंने सनातन, धर्म और मूल्य शिक्षा की अवधारणा और अर्थ पर भी प्रकाश डाला।

प्रोफेसर जसीम अहमद ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि पर अपने संबोधन में एमईईएस, एचईएफए, एबीसी आदि जैसी उच्च शिक्षा में यूजीसी द्वारा की गई पहलों पर विशेष ध्यान देने के साथ एनईपी-2020 के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की और ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया जिससे सभी हितधारकों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से एनईपी-2020 के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन आईएएसई के एसोसिएट प्रोफेसर और जेआईसीई-2024 के आयोजन सचिव डॉ. इरम खान ने किया। उद्घाटन समारोह प्रो. नाहिद जहूर के धन्यवाद ज्ञापन और श्री जीशान ज़मीर और डॉ. पेट्टाला रामकृष्ण (सांकेतिक भाषा टीम) की टीम के राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया